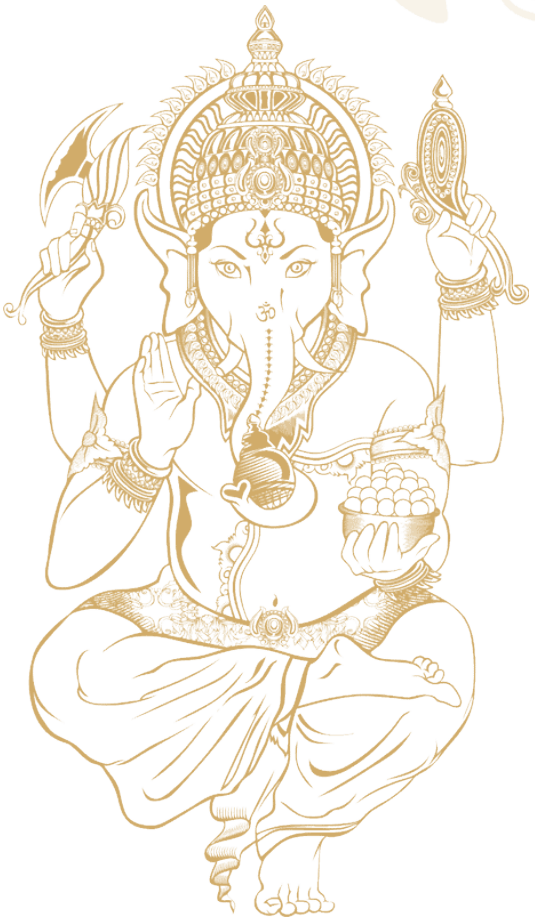

A

B

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121069602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/09/2000	जन्म तिथि	31-01/04/2001
गुरुवार	दिन	रविवार
घंटे 17:00:00	जन्म समय	07:35:00 घंटे
घटी 28:22:01	जन्म समय(घटी)	04:08:19 घटी
Madagascar	देश	India
Antananarivo	स्थान	Junagarh
18:93:00 दक्षिण	अक्षांश	21:32:00 उत्तर
47:51:00 पूर्व	रेखांश	70:32:00 पूर्व
45:00:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:24	स्थानिक संस्कार	-00:47:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:39:11	सूर्योदय	06:41:19
17:44:12	सूर्यास्त	19:02:34
23:51:45	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:11

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 11वर्ष 0मा 1दि		25:22:56	कुंभ	लग्न	मेष	03:36:46	राहु 9वर्ष 7मा 25दि	
गुरु		05:01:04	कन्या	सूर्य	मीन	17:32:37	गुरु	
24/09/2011		11:50:54	मिथु	चंद्र	मिथु	12:50:59	26/11/2010	
24/09/2027		09:01:07	सिंह	मंगल	वृश्चि	26:50:01	26/11/2026	
गुरु	11/11/2013	26:54:51	कन्या	बुध	कुंभ	27:22:40	गुरु	13/01/2013
शनि	24/05/2016	17:15:56	वृष	गुरु	वृष	13:45:36	शनि	27/07/2015
बुध	30/08/2018	02:23:49	तुला	शुक्र व	मीन	14:27:42	बुध	01/11/2017
केतु	06/08/2019	07:02:30	वृष व	शनि	वृष	03:55:22	केतु	08/10/2018
शुक्र	06/04/2022	28:21:55	मिथु	राहु व	मिथु	16:51:39	शुक्र	08/06/2021
सूर्य	23/01/2023	28:21:55	धनु	केतु व	धनु	16:51:39	सूर्य	27/03/2022
चन्द्र	24/05/2024	23:31:17	मक व	हर्ष	मक	29:37:38	चन्द्र	27/07/2023
मंगल	30/04/2025	10:05:00	मक व	नेप	मक	14:28:38	मंगल	02/07/2024
राहु	24/09/2027	16:33:53	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	21:21:17	राहु	26/11/2026

लग्न-चलित

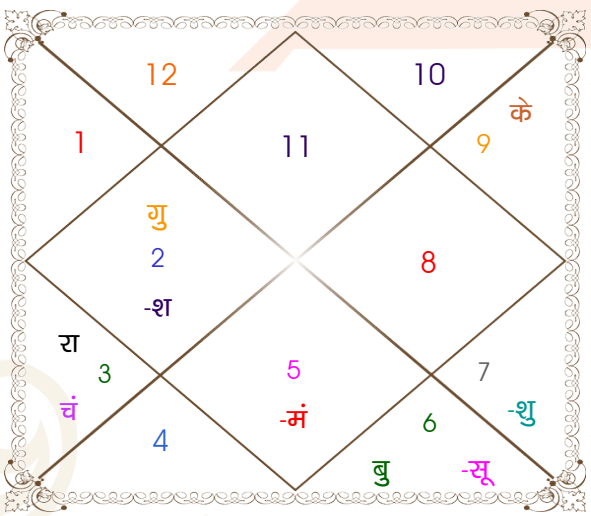

लग्न-चलित

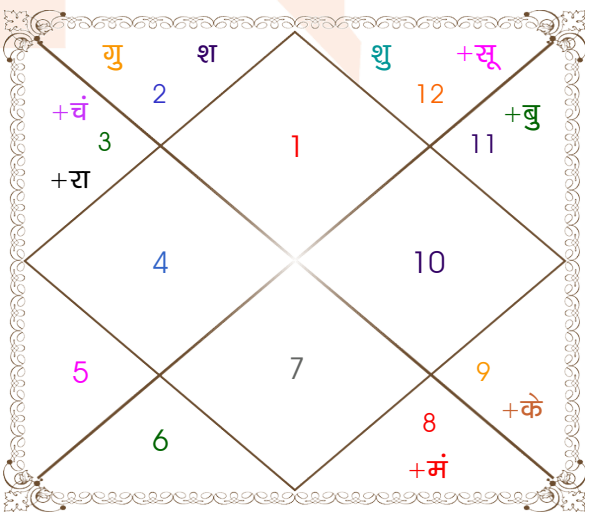

शास्त्री नरेश मुरलीधर दवे
M.A. संस्कृत साहित्य, ज्योतिष रत्न,
Bhayandar East Mumbai
9820675981

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	श्वान	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि A का नक्षत्र आर्द्रा है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि B का नक्षत्र आर्द्रा है।

A का वर्ग मार्जार है तथा B का वर्ग मार्जार हैA इन दोनों वर्गों में परस्पर सम हैA

अष्टकूट मिलान के अनुसार A और B का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

A मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

B मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल B कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता हैA

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

शास्त्री नरेश मुरलीधर दवे
M.A. संस्कृत साहित्य, ज्योतिष रत्न,
Bhayandar East Mumbai
9820675981

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु B कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

A तथा B में मंगलीक मिलान ठीक हैA

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

शास्त्री नरेश मुरलीधर दवे
M.A. संस्कृत साहित्य, ज्योतिष रत्न,
Bhayandar East Mumbai
9820675981